Chapter - 2

भारत में राष्ट्रवाद

PAGE NO.
DATE: / /

भारत में राष्ट्रवाद का परिचय

(i) भारत इतिहास का रूप बहुत ही बड़ा है।
(ii) अंग्रेजो शासन के पहले भारत एक विकसित और शक्तिशाली देश था।
(iii) यह वह समय था जब भारत पर गुप्त ~~साम्राज्य~~ साम्राज्य, दिल्ली सल्तनत आदि का शासन था।
(iv) इसके कारण 1850 प्लासी युद्ध हुआ और अंग्रेजो ने बंगाल पर कब्जा कर लिया।
(v) जिसे ब्रिटिश राज्य स्थापित हो गया परन्तु आज भारत एक स्वतंत्र राष्ट्र है।

इस अध्याय में हम 1922 के दशक से भारत में स्वतंत्रता आंदोलन के समय कब, क्या और कैसे हुआ? इन सब का अध्ययन करेंगे।

https://parikshasolutions.blogspot.com

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

भारत के लोग रॉलट एक्ट के विरोध में क्यों थे?

Ans- रॉलेट एक्ट

रॉलेट एक्ट 1919 ई० में पारित एक ऐसा कानून था जिसमें भारतीयों पर बिना किसी तरह के मुकदमे को चलाये ~~बिना किसी~~ शंका के आधार पर गिरफ्तार कर दो साल तक जेल में बंद किया जा सकता था।
रॉलेट एक्ट भारतीयों के लिए काला कानून था। इसके द्वारा सरकार क्रांतिकारियों एवं देशभक्तों को कैद कर आंदोलन को समाप्त करना चाहती थी। इसलिए भारत के लोग रॉलट एक्ट के विरोध में थे।

पहले विश्व युद्ध ने ~~भारती~~ भारत में राष्ट्रीय आंदोलन के विकास में किस प्रकार योगदान दिया?

Ans- प्रथम विश्व युद्ध 1 अगस्त 1914 ई० में हुआ था।
इसका भारतीय राष्ट्रवादी आंदोलन पर व्यापक प्रभाव पड़ा है जो इस प्रकार है-

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

PAGE NO.
DATE: / /

(i) भारतीयों का विश्व से संपर्क — इस युद्ध में भारतीयों को भी भर्ती किया गया तो उन्हें वहाँ स्वतंत्रता का अनुभव हुआ और उनमें आत्मविश्वास जागा कि वे ऐसी स्थिति को भारत में भी विकसित करने के लिए तत्पर हो गये।

(ii) आर्थिक प्रभाव — ~~युद्ध के कारण~~ युद्ध में अधिक व्यय के कारण ब्रिटिश सरकार ने करों में वृद्धि कर दी जिससे भारतीयों की आर्थिक स्थिति खराब हो गई। अतः प्रथम विश्व युद्ध के बाद राष्ट्रीय आंदोलन में भारतीयों ने ज्यादा भाग लिया।

(iii) युद्धकालीन परिस्थितियाँ — विश्व युद्ध में भारत को न चाहते हुए भी गुलामी के कारण युद्ध ~~का~~ में भाग लेना पड़ा। यह अनेक भारतीयों को अच्छा नहीं लगा इसलिए उनके मन में राष्ट्रीयता की भावना जागृत हुई।

(iv) युद्ध की संधियाँ — ऑटोमन सुल्तान पर थोपी संधियों के कारण मुस्लिम नेता नाराज हो गए जिसके कारण इन्होंने गाँधीजी के साथ मिलकर राष्ट्रीय आंदोलन को ~~व~~ तेजी से बढ़ाया।

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

(v) डिफेंस ऑफ इंडिया एक्ट — 1915 ई० में अंग्रेजी सरकार ने क्रांतिकारी गतिविधियों को रोकने के लिए "डिफेंस ऑफ इंडिया एक्ट" पास किया। इस एक्ट ने क्रांतिकारी आंदोलन को दबाने की बजाए और तीव्र कर दिया। जिससे आम जनता में भी ~~विश्व~~ राष्ट्रवादी भावनाएँ पनपी। इस प्रकार प्रथम विश्वयुद्ध ने ~~भारती~~ भारत में राष्ट्रवाद के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

उपनिवेशों में राष्ट्रवाद के उदय की प्रक्रिया उपनिवेशवाद विरोधी आंदोलन से जुड़ी हुई क्यों थी।

Ans — उपनिवेशों में राष्ट्रवाद के उदय की प्रक्रिया उपनिवेशवाद विरोधी आंदोलन से जुड़ी हुई थी, क्योंकि औपनिवेशिक शासकों के विरुद्ध संघर्ष के दौरान लोग आपसी एकता को पहचानने लगे, वे उनका समान रूप से उत्पीड़न और दमन हुआ था। इस साझा अनुभव ने उन्हें एकता के सूत्र में बाँध दिया। वे यह जान गए थे कि विदेशी शासकों को एकजुट होकर ही बाहर निकाला जा सकता है। उनकी इस उपनिवेशवाद विरोधी भावना ने भी राष्ट्रवाद के उदय में सहायता पहुँचाई।

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

असहयोग आंदोलन

गाँधी जी ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक (हिंद स्वराज 1909) में महात्मा गांधी ने कहा था कि भारत में ब्रिटिश शासन भारतीयों के सहयोग से ही ~~स्थापना~~ स्थापित हुआ था। और यह शासन इसी सहयोग वापस ले ले तो सालभर के भारत ब्रिटिश शासन ढह जाएगा और स्वतंत्रता की स्थापना हो जाएगी।

गाँधी जी ने असहयोग आंदोलन को वापस लेने का फैसला क्यों लिया?

Ans- चौरी - चौरा नामक ~~स्थान~~ स्थान पर 5 फरवरी, 1922 की घटना के कारण गाँधी जी ने असहयोग आंदोलन को वापस लेने का फैसला लिया क्योंकि गोरखपुर के चौरी - चौरा में बाजार से गुजर रहा एक शांतिपूर्ण जुलुस पुलिस के साथ हिंसक टकराव में बदल गया। जनता ने आवेश में आकर थानेदार और कई सिपाहियों की हत्या कर दी और पुलिस स्टेशन में आग लगा दी। इस घटना के बाद इस आंदोलन ने अपना अहिंसात्मक रूप खो दिया और जनता में हिंसात्मक प्रवृत्ति बढ़ने लगी। अतः गाँधी जी ने फरवरी 1922 ई० को असहयोग आंदोलन को वापस लेने का फैसला लिया।

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

सत्याग्रह के विचार का क्या मतलब है — ?

Ans→

सत्याग्रह का मतलब

सत्याग्रह के विचार में सत्य की शक्ति पर आग्रह और सत्य की खोज पर जोर दिया जाता है। इसका अर्थ है कि अगर आपका उद्देश्य सच्चा है। यदि आपका संघर्ष अन्याय के खिलाफ है सत्याग्रही केवल अहिंसा के सहारे भी सफल हो सकता है। ~~इसके~~ इसके लिए दमनकारी शत्रु की चेतना को झिझकोरना होगा।

गाँधीजी के द्वारा चलाये गये या आयोजित किये गये सत्याग्रहों का वर्णन —

भारत में आने से पहले दक्षिण अफ्रीका में गाँधी जी ने नस्लभेदी अंग्रेजी सरकार से वहाँ सत्याग्रह के द्वारा ~~सफलता पूर्व~~ सफलतापूर्वक लोहा लिया। भारत आने के बाद गाँधीजी ने कई स्थानों पर सत्याग्रह किया। 1917 में उन्होंने बिहार ~~के~~ के चंपारन में तथा गुजरात के खेड़ा जिले के किसानों की ~~मम~~ मदद के लिए सत्याग्रह आयोजन किया। ~~19~~ 1918 में गाँधी सूती कपड़ा कारखानों के मजदूरों के बीच सत्याग्रह आंदोलन ~~चा~~ चलाने अहमदाबाद गए थे।

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

PAGE NO.
DATE: / /

जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड

रॉलट एक्ट के विरोध में पंजाब के अमृतसर जिले की जनता अत्यन्त आक्रोशित थी। 13 अप्रैल, 1919 को अमृतसर के जलियाँवाला बाग में एक जनसभा आयोजित करने की घोषणा की गई। लोगों को वहाँ एकत्रित होने दिया गया। जब लोग हजारों की संख्या में इकट्ठे हो गए तो वहाँ जनरल डायर ~~बख्तरबंद~~ सिपाहियों को लेकर बाग में जा पहुँचा। उसने बिना किसी चेतावनी के बिल्कुल निहत्थे लोगों पर गोलियों की बौछार 10 मिनट तक की।
हजारों लोग मारे गये और असंख्य लोग घायल हुए।
इस घटना को जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड कहते हैं।

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

PAGE NO.
DATE: / /

साइमन कमीशन

ब्रिटेन की नई सरकार ने सर जॉन साइमन के नेतृत्व में एक वैधानिक आयोग का गठन कर दिया। यह आयोग भारत में संवैधानिक व्यवस्था की कार्यशैली का अध्ययन कर उसके बारे में सुझाव देगा। यह आयोग भारत के लिए बना है परन्तु इसका कोई भारतीय सदस्य नहीं है। इसके सभी सदस्य अंग्रेज हैं।
जब 1928 में साइमन कमीशन भारत आया तो भारतीय इसके विरोध में नारे लगा रहे थे "साइमन कमीशन वापस जाओ"। लाहौर में इस कमीशन के विरोध कर रहे भारतीयों पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दी जिसमें लाला लाजपत राय जो एक स्वतंत्रता सेनानी थे उनकी मृत्यु हो गई।
साइमन कमीशन की रिपोर्ट भारतीयों के असंतोष को दूर करने में असमर्थ रही।

नमक यात्रा की चर्चा करते हुए स्पष्ट करें कि यह उपनिवेशवाद के खिलाफ प्रतिरोध का एक असरदार प्रतीक था।

अथवा

गाँधी जी की नमक यात्रा का वर्णन करें।

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

PAGE NO.
DATE: / /

गाँधीजी की नमक यात्रा

महात्मा गाँधी ने देश को एकजुट करने के लिए नमक को एक शक्तिशाली प्रतीक माना। 31 जनवरी 1930 को उन्होंने वायसराय इरविन को एक खत लिखा। इस खत में उन्होंने 11 माँगों का उल्लेख किया था। इसमें ~~कुछ माँग नमक कर~~ मुख्य माँग नमक कर खत्म करना था।

~~गाँधी~~ गाँधी जी ने एक पत्र द्वारा चेतावनी दी कि यदि 11 मार्च तक उनकी माँग पूरी नहीं होगी तो कांग्रेस सविनय अवज्ञा आन्दोलन शुरू कर देगी। इरविन के द्वारा उनके प्रस्तावों को ठुकरा दिया गया।

तब गाँधी जी ने 78 सहयोगियों के साथ दांडी यात्रा शुरू कर दी। 6 अप्रैल को गाँधी जी दांडी पहुँचे और उन्होंने समुद्र के पानी को उबालकर नमक बनाना शुरू कर दिया यह कानून का उल्लंघन था।

इस तरह अंग्रेजों की शांति तथा औपनिवेशिक कानूनों का उल्लंघन करने के लिए आह्वान किया जाने लगा। देश के हजारों लोगों ने नमक कानून तोड़ा और सरकारी नमक कारखानों के सामने प्रदर्शन भी किया।

बहुत सारे स्थानों पर वन कानूनों का उल्लंघन करने लगे। इस प्रकार नमक यात्रा उपनिवेशवाद के खिलाफ प्रतिरोध का एक असरदार प्रतीक सिद्ध हुई।

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

PAGE NO:
DATE: / /

इस अध्याय में दी गई भारत माता की छवि और अध्याय 1 में दी गई जर्मेनिया की छवि की तुलना कीजिए।

Ans ⇒ भारत माता की छवि ⇒

(i) भारत माता की छवि अबनींद्रनाथ टैगोर ने 1905 ई० में बनाया था।

(ii) इनमें भारत माता को एक संन्यासिन के रूप में दर्शाया गया है। इस छवि में भारत माता शिक्षा, भोजन और कपड़े दे रही है। एक हाथ में माला उनके संन्यासी गुणों को रेखांकित करती है।

(iii) भारत माता एक अन्य छवि में हाथ में तिरंगा लिए हाथी और शेर के मध्य खड़ी है। ये दोनों पशु शक्ति और सत्ता के प्रतीक है।

(iv) भारत माता को शांत, गंभीर देवी और आध्यात्मक गुणों से युक्त दिखाया गया है।

(v) भारत माता की छवि श्रद्धा तथा राष्ट्रवाद के प्रति आस्था का प्रतीक है।

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

PAGE NO.
DATE: / /

जर्मेनिया की छवि ⟹

(i) जर्मेनिया की छवि चित्रकार फिलिय वेट ने 1903 ई० में बनाया था।
(ii) जर्मेनिया बतूल वृक्ष के पत्तों का मुकुट पहनती है। काला, लाल और सुनहरा तिरंगा रखती है। इसके साथ वह तलवार तथा लाज छाप कवच भी पहने दिखाई देती है।
(iii) जर्मेनिया के हाथ में तलवार है और उस तलवार पर खुदा हुआ है — जर्मन तलवार जर्मन राइन की रक्षा करती है।
(iv) जर्मेनिया को एक वीर साहसी तथा देश की रक्षा करने वाली स्त्री के रूप में प्रस्तुत किया है।
(v) जर्मेनिया की छवि रौद्र गुणों से युक्त राष्ट्रीयता व देशभक्ति का प्रतीक है।

भारत छोड़ो आंदोलन पर लेख लिखिए।

Ans- भारत छोड़ो आंदोलन

क्रिप्स मिशन की असफलता एवं द्वितीय विश्वयुद्ध के सब प्रभावों ने भारत में व्यापक असंतोष को जन्म दिया। इसके फलस्वरूप गाँधीजी ने एक आंदोलन शुरू किया, जिसमें उन्होंने अंग्रेजों के पूरी तरह से भारत छोड़ने पर जोर दिया। वर्धा में 14 जुलाई 1942 को अपनी

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

PAGE NO:
DATE: / /

कार्यकारिणी में कांग्रेस कार्य समिति ने ऐतिहासिक 'भारत छोड़ो' प्रस्ताव जारित किया, जिसमें सत्ता का अन्त भारतीयों को तत्काल हस्तांतरण एवं भारत छोड़ने की माँग की गई। 8 अगस्त 1942 को बंबई में अखिल भारतीय कांग्रेस समिति ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया, जिसमें पूरे देश में व्यापक पैमाने पर एक अहिंसक जन संघर्ष का आह्वान किया गया। इसी अवसर पर गाँधी जी ने प्रसिद्ध करो या मरो नारा दिया था। "भारत छोड़ो" के इस आह्वान ने देश के अधिकतर हिस्सों में राज्य व्यवस्था को ठप कर दिया, लोग स्वतः ही आंदोलन में कूद पड़े। लोगों ने हड़तालें की और राष्ट्रीय गीतों एवं नारों के साथ प्रदर्शन किए एवं जुलूस निकाले। यह आंदोलन वास्तव में एक जन आंदोलन था। जिसमें छात्र, मजदूर और किसान जैसे हजारों साधारण लोगों ने हिस्सा लिया इसमें नेताओं की सक्रिय भागीदारी भी देखी गई जिसमें जयप्रकाश नारायण, अरुणा आसफ अली एवं राम मनोहर लोहिया और बहुत सारी महिलायें जैसे बंगाल से मातांगिनी हाजरा, असम से कनकलता बरुआ और उड़ीसा से रमा देवी थी।

www.notesdrive.com

अंग्रेजो द्वारा अत्यधिक अत्यधिक बल प्रयोग के बावजूद इसे दबाने में एक वर्ष से अधिक का समय लग गया। इस आंदोलन ने भारतीयो के मन से अंग्रेज शासन का खौफ कम कर दिया।

https://parikshasolutions.blogspot.com

www.notesdrive.com

www.notesdrive.com